तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज
6/2/19	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उप.। मिसल वास्ते इन्तजार तामील हेतु दिनांक 27/3/19 को पेश हो। पुनः ... मिसल वास्ते जवाब प्रार्थना पत्र हेतु।
27/3/19	पत्रावली पेश हुई। वकील प्रार्थी उप. ... तामील ... दिनांक 14/5/19 को पेश हो।
14/5/19	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उप.। मिसल वास्ते जवाब हेतु दिनांक 4/6/19 को पेश हो।
4/6	...को पेश हो। 30/7/19
17/9	पत्रावली पेश हुई। ... दिनांक 15/10/19 ...को पेश हो।
15/10/19	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान उपस्थित। मिसल वास्ते जवाब हेतु दिनांक 4/12/19 को पेश हो।
4/12/19	पत्रावली पेश हुई। वकील पक्षकारान ... अप्रार्थी की ओर से पर्याप्त अवसर दिए जाने के बाद भी जवाब पेश नहीं

रा.मु.जो.

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Lal Regar
Date: 2021.07.13 11:15:54 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner

तारीख ...	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए

किया। अतः अप्रार्थी का जवाब बंद किया जाता। वकील पक्षकारान बहस प्रार्थना-पत्र सुनी गई। प्रार्थी अधिवक्ता ने अपनी बहस में प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए निवेदन किया कि वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की जावें। अप्रार्थी अधिवक्ता द्वारा बहस प्रार्थी का विरोध करते हुए निवेदन किया कि प्रार्थीगण का प्रार्थना-पत्र खारिज फरमाया जावे। बहस पर मनन किया पत्रावली पर उपलब्ध राजस्व रेकर्ड व दस्तावेजात का ध्यानपूर्वक अवलोकन किया जिससे पक्षकारान के मध्य विवाद प्रार्थना-पत्र में वर्णित भूमि को लेकर स्पष्ट है। तथा प्रथम दृष्टया प्रकरण सुविधा का संतुलन भी प्रार्थीगण के पक्ष में है। क्योंकि प्रार्थीगण रेकर्डेड खातेदार है। अप्रार्थीगण द्वारा किसी भी प्रकार से ~~प्रार्थी~~ प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों का खंडन नहीं किया है। इस प्रकार प्रार्थीगण का प्रार्थना-पत्र में वर्णित तथ्यों को नहीं मानने का कारण पत्रावली पर नहीं है।

अतः प्रार्थीगण का प्रार्थना-पत्र स्वीकार किया जाकर वाद के निस्तारण तक अस्थाई निषेधाज्ञा बहक प्रार्थीगण विरूद्ध अप्रार्थीगण इस आशय के जारी की जाती है कि प्रार्थना-पत्र में वर्णित भूमि खसरा नं. [illegible] रकबा 19 बीघा 18 बिस्वा ग्राम [illegible] तह- ओसियां के बाबत [illegible] व रेकर्ड की यथास्थिति बनाए रखे।

पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम की जाकर मूल वाद के साथ नत्थी हो

Signature Not Verified
Digitally signed by Ratan Lal Regar
Date: 2021.07.13 11:15:54 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by CamScanner